नित्यपावन स्मरण

**नमो देव्यै महादेव्यै शिवायै सततं नमः ।**

**नमः प्रकृत्यै भद्रायै नियताः प्रणताः स्म ताम् ॥१॥**

**रौद्रायै नमो नित्यायै गौर्यै धात्र्यै नमो नमः ।**

**ज्योत्स्नायै चेन्दुरूपिण्यै सुखायै सततं नमः ॥२॥**

**कल्याण्यै प्रणता वृद्धयै सिद्धयै कुर्मो नमो नमः ।**

**नैर्ऋत्यै भूभृतां लक्ष्म्यै शर्वाण्यै ते नमो नमः ॥३॥**

**दुर्गायै दुर्गपारायै सारायै सर्वकारिण्यै ।**

**ख्यात्यै तथैव कृष्णायै धूम्रायै सततं नमः ॥४॥**

**अतिसौम्यातिरौद्रायै नतास्तस्यै नमो नमः ।**

**नमो जगत्प्रतिष्ठायै देव्यै कृत्यै नमो नमः ॥५॥**

**या देवी सर्वभुतेषु विष्णुमायेति शब्दिता ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥६॥**

**या देवी सर्वभुतेषु चेतनेत्यभिधीयते ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥७॥**

**या देवी सर्वभुतेषु बुद्धिरूपेण संस्थिता ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥८॥**

**या देवी सर्वभुतेषु निद्रारूपेण संस्थिता ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥९॥**

**या देवी सर्वभुतेषु क्षुधारूपेण संस्थिता ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥१०॥**

**या देवी सर्वभुतेषु छायारूपेण संस्थिता ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥११॥**

**या देवी सर्वभुतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥१२॥**

**या देवी सर्वभुतेषु तृष्णारूपेण संस्थिता ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥१३॥**

**या देवी सर्वभुतेषु क्षान्तिरूपेण संस्थिता ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥१४॥**

**या देवी सर्वभुतेषु जातिरूपेण संस्थिता ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥१५॥**

**या देवी सर्वभुतेषु लज्जारूपेण संस्थिता ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥१६॥**

**या देवी सर्वभुतेषु शान्तिरूपेण संस्थिता ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥१७॥**

**या देवी सर्वभुतेषु श्रद्धारूपेण संस्थिता ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥१८॥**

**या देवी सर्वभुतेषु कान्तिरूपेण संस्थिता ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥१९॥**

**या देवी सर्वभुतेषु लक्ष्मीरूपेण संस्थिता ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥२०॥**

**या देवी सर्वभुतेषु वृत्तिरूपेण संस्थिता ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥२१॥**

**या देवी सर्वभुतेषु स्मृतिरूपेण संस्थिता ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥२२॥**

**या देवी सर्वभुतेषु दयारूपेण संस्थिता ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥२३॥**

**या देवी सर्वभुतेषु तुष्टिरूपेण संस्थिता ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥२४॥**

**या देवी सर्वभुतेषु मातृरूपेण संस्थिता ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥२५॥**

**या देवी सर्वभुतेषु भ्रान्तिरूपेण संस्थिता ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥२६॥**

**इन्द्रियाणामधिष्ठात्री भुतानां चाखिलेषु या ।**

**भूतेषु सततं तस्यै व्याप्तिदेव्यै नमो नमः ॥२७॥**

**चितिरूपेण या कृत्स्नमेतद्व्याप्य स्थिता जगत् ।**

**नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥२८॥**